भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 27 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) आज से जम्मू और कश्मीर में वर्षा की गतिविधि में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है, हालांकि, अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।
ii) कल, 28 अगस्त तक ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, केरल और तटीय कर्नाटक में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि आज, 27 अगस्त, 2025 को तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 27 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- जम्मू (उधमपुर आईएएफ-63 सेमी) में अलग-अलग स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा दर्ज की गई।
- जम्मू क्षेत्र, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- गोवा, लक्षद्वीप और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, असम और मिजोरम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में चल रही है।
- ओडिशा तट से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में कल बना निम्न दबाव का क्षेत्र आज सुबह 0530 बजे IST पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित हो गया और आज, 27 अगस्त 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। अगले 24 घंटों के दौरान इसके ओडिशा में धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी पाकिस्तान पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ है।
- दक्षिण पंजाब पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और मध्य मध्य प्रदेश से एक द्रोणिका निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण पंजाब पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण तक जा रही है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ, मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 से 30 अगस्त तक; बिहार में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; झारखंड में 29 और 30 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; छत्तीसगढ़ में 27 और 28 अगस्त को; ओडिशा में 27 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में 27 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल और माहे, तमिलनाडु में 27 से 29 अगस्त तक; आंतरिक कर्नाटक में 27 और 28 अगस्त को; रायलसीमा में 27 अगस्त को; तटीय कर्नाटक में 27 अगस्त से 2 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; तटीय कर्नाटक में 27 और 28 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल में 27 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 2-3 दिनों तक क्षेत्र में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिनों तक और मराठवाड़ा में 28 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; कोंकण में 27 अगस्त को; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 27 और 28 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा में अगले 7 दिनों तक; जम्मू और कश्मीर, पंजाब में 27 अगस्त को, 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; पश्चिमी राजस्थान में 29 से 31 अगस्त तक; उत्तर प्रदेश में 1 और 2 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; उत्तराखंड में 28 और 29 अगस्त, 1 और 2 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पश्चिमी राजस्थान में 27 और 28 अगस्त को; उत्तराखंड में अगले 7 दिनों तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 28 से 30 अगस्त तक; असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले 7 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 27 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर:

- सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 27 अगस्त से 1 सितंबर तक; मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आसपास के क्षेत्रों में 28 अगस्त से 1 सितंबर तक; पूरे मध्य अरब सागर और दक्षिण-पश्चिम, उत्तर अरब सागर के आसपास के क्षेत्रों में 27 अगस्त को; लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्रों में; दक्षिण गुजरात तट, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, केरल तटों के साथ और आसपास 27 से 29 अगस्त तक न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- उत्तर और आसपास के मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश तटों के साथ और आसपास 27 से 29 अगस्त तक; ओडिशा तट के पास 29 और 1 सितंबर को; उत्तर आंध्र प्रदेश तट के साथ और आसपास; उत्तर, मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में 29 अगस्त

को; उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 28 अगस्त से 1 सितंबर तक; दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 27 अगस्त से 1 सितंबर तक और मन्नार की खाड़ी में 27 से 30 अगस्त और 1 सितंबर को न जाएँ।

ii. 27 से 30 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **जम्मू:** उधमपुर आईएएफ-63, जम्मू-38; सांबा-17, कठुआ-12;
- **तेलंगाना**: येल्लारेड्डी (जिला कामारेड्डी), नागा रेड्डीपेट (जिला कामारेड्डी) 25 प्रत्येक; भिकनूर (जिला कामारेड्डी) 22; निजाम सागर (जिला कामारेड्डी) 21; भुवनगिरी (जिला वाई. भुवनगिरी) 19; डोमाकोंडा (जिला कामारेड्डी), पपन्नापेट (जिला मेदक) 18 प्रत्येक; रामायमपेट (जिला मेदक) 17; पिटलम (जिला कामारेड्डी), मेदक (जिला मेदक) 15 प्रत्येक; अल्लादुर्ग (जिला मेदक) 14; यदागिरीगुट्टा (जिला वाई. भुवनगिरी) 13; लिंगमपेट (जिला कामारेड्डी) 12; रेगोडे (जिला मेदक), यदागिरीगुट्टा (एआरजी) (जिला वाई. भुवनगिरी) 11 प्रत्येक; चेगुंटा (जिला मेदक), नरसापुर (जिला मेदक), टेक्मल (जिला मेदक) 10 प्रत्येक; जगदेवपुर (जिला सिद्दीपेट), नागिरेड्डीपेट एपी (जिला कामारेड्डी), अर्स बंसंतपुर एपी (जिला मेदक) 9 प्रत्येक; नारायणखेड़ (जिला संगारेड्डी), बंसवाडा (जिला कामारेड्डी), डौलताबाद (जिला सिद्दीपेट) 8 प्रत्येक; रामन्नापेटा (जिला वाई. भुवनगिरी), गंधारी (जिला कामारेड्डी), मोमिनपेट (जिला विकराबाद), महबूबनगर (जिला महबूबनगर), नवाबपेट (जिला विकराबाद), कामारेड्डी (जिला कामारेड्डी), कोवडिपल्ली (जिला मेदक), हथनूरा (जिला संगारेड्डी), मुनिपल्ली (जिला संगारेड्डी), चिल्कुर (जिला सूर्यपेट), कोइलकोंडा (जिला महबूबनगर), भूतपुर (जिला महबूबनगर) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान**: भुंग्रा एसआर (जिला बांसवाड़ा) 22; कठूमर (जिला अलवर) 9; धारीयाबाद (जिला प्रतापगढ़) 7;
- **छत्तीसगढ़**: सुकमा (जिला सुकमा) 21; बस्तानार (जिला बस्तर) 20; लोहांडीगुड़ा (जिला बस्तर) 19; दर्भा (जिला बस्तर) 17; कोंटा (जिला सुकमा), गिदम (जिला दंतेवाड़ा) 16 प्रत्येक; कटेकल्याण (जिला दंतेवाड़ा), नंगुर (जिला बस्तर), बड़े बचेली (जिला दंतेवाड़ा) 15 प्रत्येक; गदिरास (जिला सुकमा) 14; तोकापाल (जिला बस्तर), छोटेडोंगर (जिला नारायणपुर) 12 प्रत्येक; दंतेवाड़ा (जिला दंतेवाड़ा), कुआकोंडा (जिला दंतेवाड़ा), पाटन (जिला दुर्ग) 10 प्रत्येक; जगदलपुर (जिला बस्तर), दोरनापाल (जिला सुकमा), जगरगुंडा (जिला सुकमा) 8 प्रत्येक; दुर्ग (जिला दुर्ग), गुंडरदेही (जिला बलोद), बस्तर (जिला बस्तर), बकावंड (जिला बस्तर), ओरछा (जिला नारायणपुर), छिंदगढ़ (जिला सुकमा), गंगालूर (जिला बीजापुर), भानपुरी (जिला बस्तर), करपावंड (जिला बस्तर) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** कद्रा (जिला उत्तर कन्नड़) 19; सिद्दापुरा (जिला उदुपी), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 10 प्रत्येक; बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़), कारकला (जिला उदुपी), शिराली पीटीओ (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक; जोइदा (जिला उत्तर कन्नड़), करवार (जिला उत्तर कन्नड़), अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़), उप्पिनंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: जयपुर (जिला कोरापुट) 19; कोटपद (जिला कोरापुट) 16; बोरिगुमा (जिला कोरापुट) 15; कोरापुट (जिला कोरापुट), लमटापुट (जिला कोरापुट), नंदापुर (जिला कोरापुट), नंदाहंडी (जिला नव रंगपुर) 12 प्रत्येक; सिमिलिगुड़ा (जिला कोरापुट) 11; मलकानगिरी (जिला मलकानगिरी) 9; राजकिशोरनगर (जिला अंगुल), कोरुकुंडा (जिला मलकानगिरी) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा**: क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) 13; कणकवली (जिला सिंधुदुर्ग) 11; काणकोना (जिला दक्षिण गोवा) 10; पोंडा (जिला उत्तर गोवा), पेरनेम (जिला उत्तर गोवा), मारगांव (जिला दक्षिण गोवा), राजापुर (जिला रत्नागिरी) 8 प्रत्येक; सावंतवाडी (जिला सिंधुदुर्ग) 7;
- **विदर्भ**: सिंदेवाही (जिला चंद्रपुर) 11; चिमूर (जिला चंद्रपुर) 8;
- **केरल और माहे**: कुदुलु (जिला कासरगोड) 10; मुलियार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 9; मडिक्काई एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 8; कोडुंगल्लूर (जिला त्रिशूर) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र:** गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 10; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 7;

- पश्चिम मध्य प्रदेश: संजीत (जिला मंदसौर) 10; सुवासरा (जिला मंदसौर) 8; सैलाना (जिला रतलाम), खालवा (जिला खंडवा) 7 प्रत्येक;
- **पंजाब**: गुरदासपुर एएमएफयू (जिला गुरदासपुर) 10; धारीवाल इरिगेशन (जिला गुरदासपुर) 9; टिबरी (जिला गुरदासपुर), अलीवाल (जिला गुरदासपुर) 8 प्रत्येक;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: गुहला (जिला कैथल) 10; संपला (जिला रोहतक), झिरका (जिला नूह), बरवाला रेव (जिला हिसार), पल्हवास रेव (जिला रेवाड़ी), जखल मंडी एचएमओ (जिला फतेहाबाद), बावल एडब्ल्यूएस (जिला रेवाड़ी) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बरोभिशा (जिला अलीपुरद्वार) 10; रायडक टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: भाल्की (जिला बीदर) 8; बीदर (जिला बीदर), बीदर पीटीओ (जिला बीदर) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय:** लंका एआरजी (जिला नगांव) 8; जियागांव (जिला तिनसुकिया) 7;
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा**: कोलासिब एडब्ल्यूएस (जिला कोलासिब), खोवाई (जिला खोवाई) 7 प्रत्येक

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	27- Aug	28- Aug	29- Aug	30- Aug	31- Aug	1- Sep	2- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

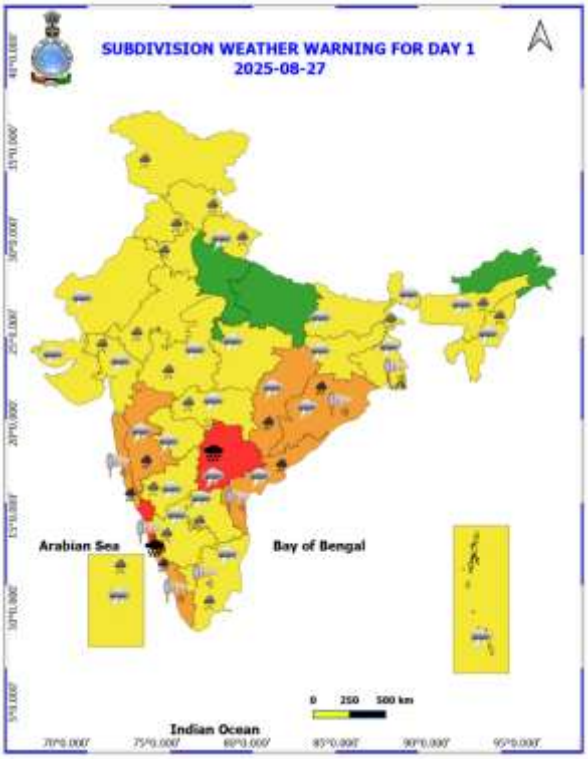
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

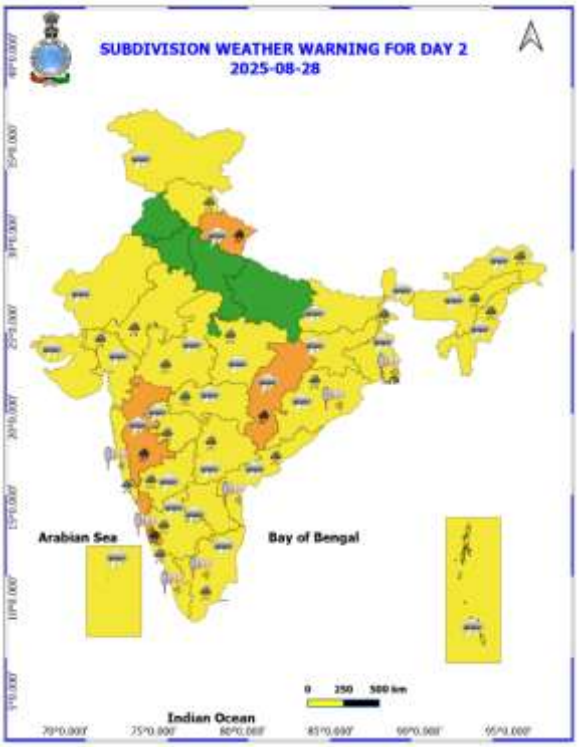
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

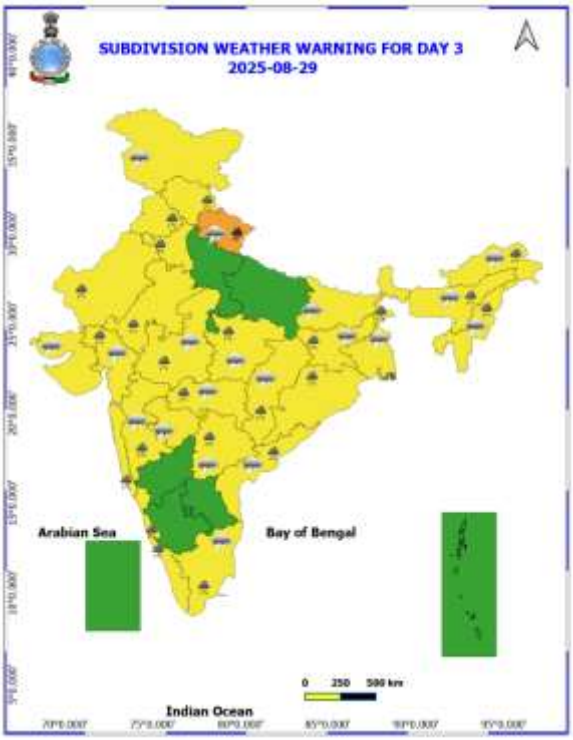
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

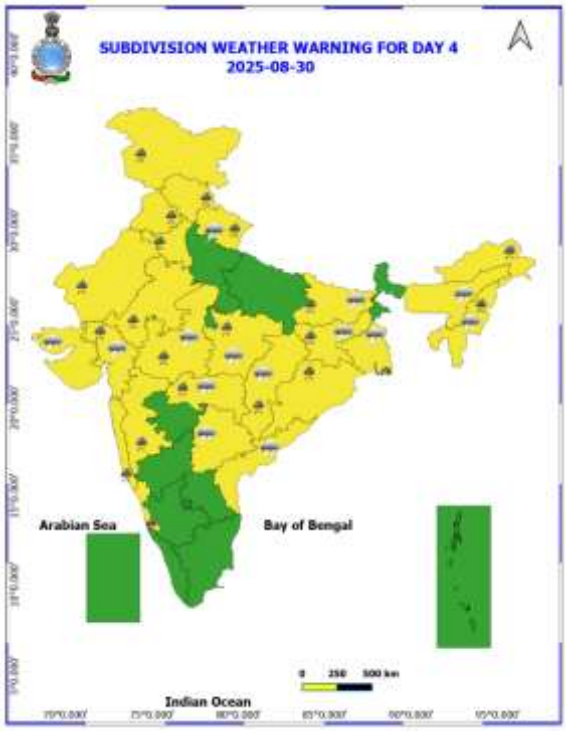

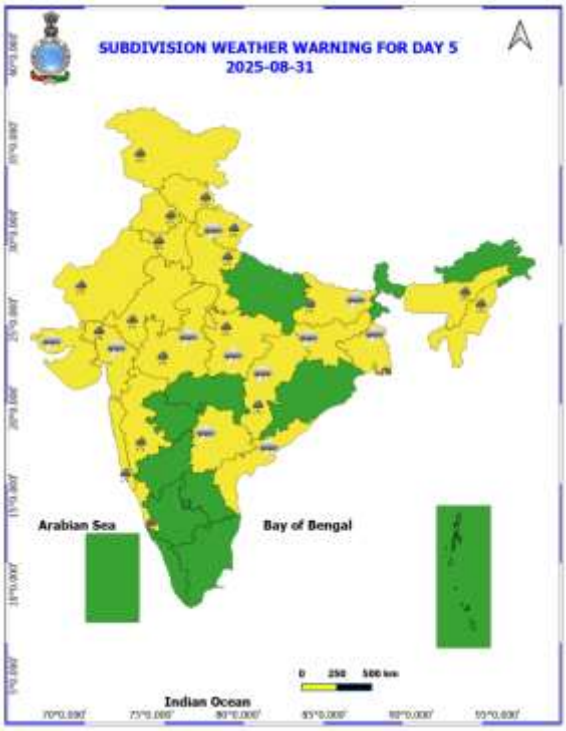

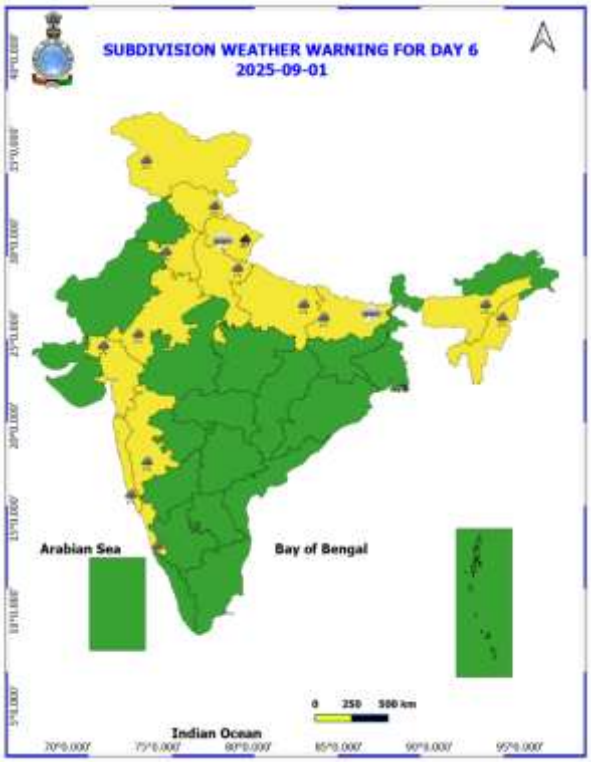

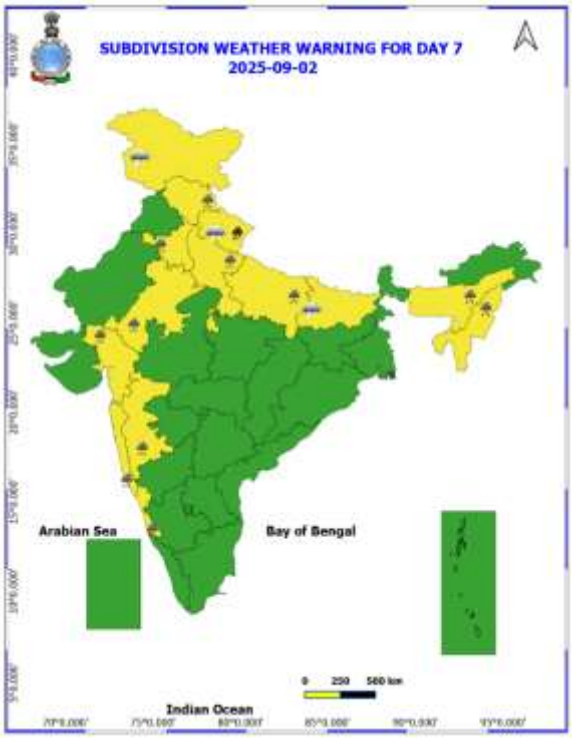

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 27 से 30 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ, जबकि अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और 24 से 25 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। इस दौरान सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश की स्थिति बनी रही और पूर्वोत्तर/पूर्व दिशा से सतही हवाएं 18 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलीं। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ बारिश दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश की स्थिति रही और दक्षिण-पूर्वी दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम गति की हवाएं चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

27.08.2025: सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश रहेगा। दोपहर/शाम के समय कई स्थानों पर एक या दो दौर की बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ बारिश तथा कुछ एक स्थानों पर मध्यम वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है।

28.08.2025: सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश रहेगा। दोपहर/शाम के समय कई स्थानों पर एक या दो दौर की बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम तथा अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जो दोपहर में बढ़कर 18 किमी प्रति घंटे से कम और शाम/रात में घटकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती हैं।

29.08.2025: सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जो दोपहर में बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम और शाम/रात में घटकर 16 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती हैं।

30.08.2025: सामान्यतः मेघाच्छन्न आकाश रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम/रात में यह बढ़कर 16 किमी प्रति घंटे से कम रह सकती है।

हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए एहतियाती कदम:

- खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक या गंभीर क्षति, कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और स्थिति खराब होने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें। घरों के अंदर रहें, खिड़कियों और दरवाजों को बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो। सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और दीवारों से सटकर न खड़े रहें। बिजली के उपकरणों को अनप्लग करें, जल निकायों से तुरंत बाहर निकलें और सभी विद्युत संचालित वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 27 अगस्त को तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 27 और 28 अगस्त को छत्तीसगढ़, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 27 अगस्त को ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल, कोंकण में, 28 और 29 अगस्त, 1 और 2 सितंबर को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर में, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का, दालों और सब्जियों के खेतों से तथा मध्यवर्ती क्षेत्र में मक्का, खरीफ दालों, धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। घाटी शीतोष्ण क्षेत्र में, मक्का, राजमा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और धान के खेतों में पानी की एक पतली परत बनाए रखें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, फूलगोभी, पत्तागोभी और ब्रोकली की पौध की रोपाई स्थगित करें तथा मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में जल जमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में सनवा, रागी और मूंग के खेतों में तथा भाबर और तराई क्षेत्र में धान, मूंग, उड़द, गन्ना, मक्का, मूंगफली, रागी और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। पहाड़ी क्षेत्र में, मटर और मूली की बुवाई स्थगित रखें तथा रागी और राजमा के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में गन्ना और मूंग के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें तथा मिर्च के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें एवं वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल की निकासी करें।
- हरियाणा में, जलभराव से बचाव हेतु पश्चिमी क्षेत्र में कपास, बाजरा, मूंग और ग्वार के खेतों से तथा पूर्वी क्षेत्र में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ओडिशा में, पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र और दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से तथा उत्तर पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, मक्का, अरहर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रावधान करें।
- छत्तीसगढ़ में, बस्तर पठार क्षेत्र में धान, लघु अनाज, मक्का, दलहन और तिलहन के खेतों में तथा छत्तीसगढ़ मैदानी क्षेत्र में मूंगफली, उड़द, सोयाबीन, अरहर और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- केरल में, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- कर्नाटक में, तटीय क्षेत्र में धान के खेतों एवं सुपारी और केले के बागानों में तथा पहाड़ी क्षेत्र में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, उत्तरी तटीय क्षेत्र में मक्का, मूंग, मूंगफली, मेस्ता और कपास के खेतों से तथा उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में मक्का, मूंगफली, रागी, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- तेलंगाना में, उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरहर के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- महाराष्ट्र में, कोंकण में धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में धान, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा पूर्व विदर्भ में धान, कपास, अरहर, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

28-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। तेलंगाना - बी. कोठागुडेम, जे. भूपालपल्ली, जगतियाल, कामारेड्डी, करीमनगर, महबूबाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, राजन्ना सिरसिला, संगारेड्डी और विकाराबाद जिले। विदर्भ - चंद्रपुर, गढ़चिरौली और वर्धा जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	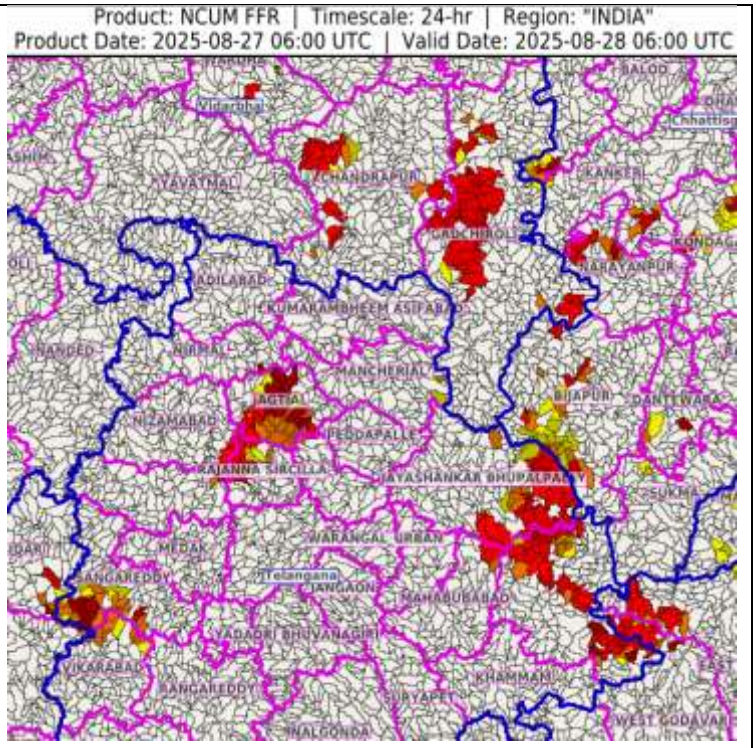
28-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। उत्तराखंड - बागेश्वर, चमोली, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	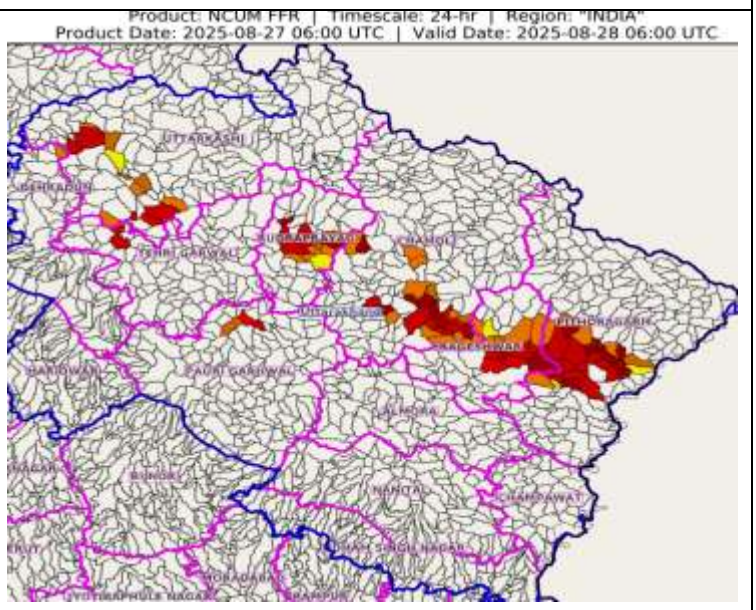

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

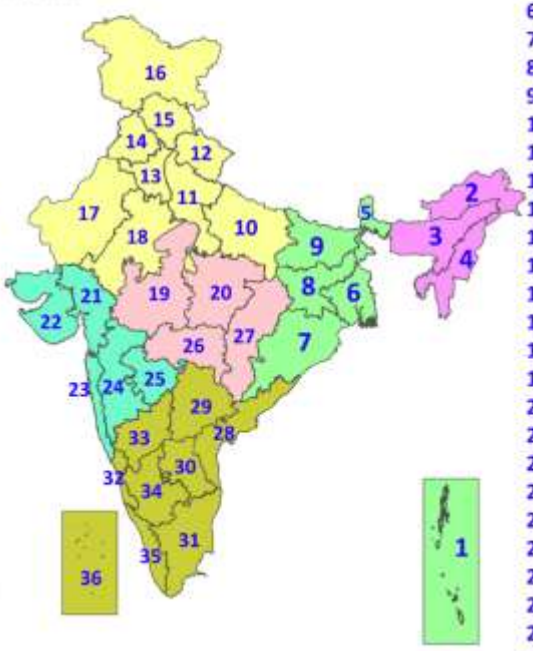

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)